भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

6A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

01 मार्च, 2020

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह जी द्वारा कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में जन-जागरण अभियान के तहत आयोजित जनसभा में दिए गए उद्बोधन के मुख्य बिंदु

नरेन्द्र मोदी सरकार ने विकास के साथ साथ देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े कई मसलों का निराकरण किया. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने धारा 370 को निरस्त कर जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया।

****

पश्चिम बंगाल की जनता ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 42 में 18 सीटों पर विजयी बनाकर मोदी जी के नेतृत्व पर विश्वास दर्शाते हुए 300 सीटों का आंकड़ा पार कराने में मदद पहुंचाई. पश्चिम बंगाल के महान जनता के सहयोग से ही नरेन्द्र मोदी दूसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ देश के प्रधानमंत्री बने.

****

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने धारा 370 को एक ही झटके में समाप्त कर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को अपनी विनम्र और सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है।

****

ममता दीदी ने संसद में धारा 370 हटाने का विरोध किया था, क्या इसके लिए ममता जी को माफ़ किया जा सकता है?

****

70 सालों से कांग्रेस-सपा-बसपा-टीएमसी राम मंदिर निर्माण में रोड़े अटकाते रहे, लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण की दिशा में अपनी कटिबद्धता दिखाते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र नाम से ट्रस्ट बनाने का ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए राम मंदिर निर्माण को आगे बढ़ने का काम किया है और अब कुछ ही महीनों एक भव्य राम मंदिर अयोध्या में बनने वाला है.

****

ममता बनर्जी जब विपक्ष में थीं तो उन्होंने शरणार्थियों के लिए नागरिकता का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीएए ले आए तो वह एकबार फिर से कांग्रेस और वामपंथियों के साथ विरोध में खड़ी हो गईं। ममता बनर्जी अल्पसंख्यकों में भय पैदा कर रही हैं कि वे अपनी नागरिकता खो देंगे।

****

मैं अल्पसंख्यक समुदाय के सभी लोगों को आश्वासन देता हूं कि सीएए से देश के एक भी मुसलमान, एक भी अल्पसंख्यक का नागरिकता अधिकार नहीं जाने वाला है. सीएए नागरिकता लेने का नहीं, बल्कि नागरिकता देने का कानून है।

****

जिस सीएए कानून से लाखों-करोड़ों प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता मिलने वाली है उस सीएए को लेकर ममता दीदी ने बंगाल के अंदर दंगे करवा दिए, ट्रेनें जलवा दीं।

****

मैं ममता बनर्जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या आपको दलित भाई अपने नहीं लगते, घुसपैठिये ही अपने लगते हैं।

****

ममता जी को जो लगे लेकिन मैं यह बताना चाहता हूँ कि 70 साल से जो शरणार्थी भाई आए हैं भाजपा की केंद्र सरकार उनको नागरिकता देकर रहेगी, ममता दीदी हमें रोक नहीं सकतीं.

****

ममता दीदी को स्मरण रखना चाहिए कि सीएए का विरोध करते हुए वे हरिचंद ठाकुर, गुरुचंद ठाकुर और पंचानंद वर्मा जैसे लोगों के अभियानों और महात्मा गांधी, सरदार पटेल और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के वादों का विरोध कर रही हैं।

****

ये कितना भी विरोध करें, हम इन शरणार्थियों को गले भी लगायेंगे, नागरिकता और सम्मान भी देंगे.

****

लोकसभा चुनाव के समय जब हम बंगाल में चुनाव मैदान में थे तो ममता दीदी कहा करती थीं कि जमानत बचा लेना। ममता जी, 2019 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े देख लीजिए, अब आने वाले विधानसभा चुनाव में भी पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बंगाल में बनने जा रही है।

****

2014 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा को सिर्फ 87 लाख मत मिले थे लेकिन 2019 में 2 करोड़ 30 लाख मत मिले.

****

मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि राज्य के 18 सांसद संसद में इसका प्रतिनिधित्व करके बंगाल को बदलने की कोशिश कर रहे हैं।

****

यह जो यात्रा चली है, रुकने वाली नहीं है। यह यात्रा जो 18 सीटों तक पहुंची है, विधानसभा में दो तिहाई बहुमत के साथ बीजेपी की सरकार बनाकर समाप्त होने वाली है।

****

यह यात्रा भाजपा के विकास की नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल के विकास और यहाँ के गरीबों-शोषितों के खिलाफ संघर्ष की यात्रा है, ये यात्रा पश्चिम बंगाल के कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने, सिंडिकेट-टोलबाजी और घुसपैठ को समाप्त करने और हमारे करोड़ों शरणार्थी भाईओं-बहनों को नागरिकता देकर सम्मान देने की यात्रा है, यह यात्रा बंगाल में दो-तिहाई बहुमत के साथ समाप्त होने वाली है.

****

पश्चिम बंगाल में प्रचार के दौरान हमें यात्रा की अनुमती नहीं दी गई, हैलीकॉप्टर उतरने नहीं दिया गया, निर्मित मंच उखाड़ फेंके गए, भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं पर लाठियां-गोलियां चलायी गईं, झूठे मुकदमे दायर किये गए, 40 से अधिक कार्यकर्ताओं को शहीद कर दिया गया।

****

मैं मुख्यमंत्री ममता जी से पूछना चाहता हूं- क्या आप ऐसा करके हमें रोक पाई हैं? आप जो चाहे करें। हम आपके सामने खड़े हैं। बंगाल के लोग आपका असली चेहरा जानते हैं। आज

की यह रैली ममता दीदी, उनकी पार्टी और उनकी पार्टी के सरंक्षित गुंडों के अन्याय के खिलाफ है.

****

भाजपा आज से पश्चिम बंगाल में एक अभियान की शुरुआत कर रही है- 'आर नोय अन्याय' (और अत्याचार नहीं)। यह अभियान बंगाल में तानाशाही ताकतों को हराने की लड़ाई है। यह नारा पश्चिम बंगाल में सरकार पलटने का नारा है।

****

मैं आज पश्चिम बंगाल के हर निवासी को बताना चाहता हूं कि अब हम किसी भी अन्याय को स्वीकार नहीं करेंगे, इस नारे को लेकर घर-घर जाना है और लोगों को जोड़ना है। जनता को दबाने, अत्याचार और भ्रष्टाचार करने और अपने राजकुमार को वारिस बनाने की विचारधारा अब पश्चिम बंगाल में नहीं चलने वाली है.

****

ममता बनर्जी के शासनकाल में पश्चिम बंगाल इतना पिछड़ गया है विकास की तालिका में पश्चिम बंगाल 20वें स्थान पर पहुँच गया है. प्रदेश का हर पांचवा व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे है, प्रदेश में 70 फीसदी किसान कर्ज में डूबे हैं.

****

केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत 6000 रुपये देना चाहती है लेकिन ममता जी उस राशि को किसानों तक पहुंचेने नहीं देतीं। ममता जी, यदि आपको वैर है तो भाजपा से करो, आप गरीब किसानों को क्यों परेशान कर रही हैं?

****

पश्चिम बंगाल की पिछली वामपंथी सरकार 1 करोड़ 92 लाख करोड़ रूपये का ऋण छोड़कर गए थे जो वर्तमान में ममता बनर्जी के शासनकाल में यह ऋण बढ़कर 3 लाख 75 हजार करोड़ रूपये का हो चूका है. पश्चिम बंगाल में जन्म लेते ही 40 हजार रूपये का ऋण बच्चे के सर पर आता है.

****

प्रदेश की एफडीआई 2 फीसदी से भी नीचे है. बिजली खपत देश के औसत से 30 फीसदी नीचे है. आजादी के वक्त देश के कुल औद्योगिक उत्पादन का 27% अकेले पश्चिम बंगाल करता था जो आज गिर कर 3.3% पर आ गई है।

****

प्रदेश में दुर्गा पूजा आयोजन के लिए अदालत का सहारा लेना पड़ता है, विजयादशमी हम बना नहीं सकते, स्कूलों में सरस्वती पूजा बंद करा दी गयी है और भ्रष्टाचार चरम पर है.

इस कुशासन से निजात भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही दिला सकती है. कोई भी शहजादा अब पश्चिम बंगाल का अगला मुख्यमंत्री नहीं बनेगा बल्कि इस मिट्टी का समर्पित एवं कर्मठ सपूत अगला मुख्यमंत्री बनेगा.

****

क्या सोनार बांग्ला की कल्पना यही थी? पश्चिम बंगाल की जनता ने कांग्रेस, कम्युनिस्ट और तृणमूल कांग्रेस को कई मौके दिए, एक मौक़ा आप भाजपा को दीजिये, हम पश्चिम बंगाल को सोनार बांग्ला बना कर देंगे।

****

नरेन्द्र मोदी सरकार ने 14वें वित्त आयोग के तहत पिछले 5 सालों में पश्चिम बंगाल को 3 लाख 59 हजार करोड़ रूपये दिए हैं जबकि यूपीए की सोनिया-मनमोहन सिंह सरकार ने 13वें वित्त आयोग के तहत मात्र 1 लाख 32 हजार करोड़ रूपये दिए.

****

ग्राम ज्योति योजना के तहत 4 हजार करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 16 हजार करोड़, शहरी आवास योजना के तहत 17 सौ करोड़, राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए 10 हजार करोड़, कोलकाता मेट्रो परियोजना के लिए 12 हजार 5 सौ करोड़ रूपये केंद्र सरकार द्वारा दिए गए, लेकिन ये सारी राशियां ममता दीदी की पार्टी के कार्यकर्ताओं के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है.

****

'आर नोय अन्याय' (और अत्याचार नहीं) अभियान से जुड़ने के लिए एक टोलफ्री नंबर है 9727294294. इस टोलफ्री नंबर पर मिस्ड कॉल दें जिससे पश्चिम बंगाल में चेतना की जो लहर उठेगी वह प्रदेश की ममता सरकार को उखाड़ फेंकेगी और यहाँ भी एक सुन्दर कमल खिलेगा जिसपर बैठकर माँ लक्ष्मी पश्चिम बंगाल को सोनार बंगाल बनायेंगी.

****

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह जी ने आज कोलकाता स्थित शहीद मीनार मैदान में जन-जागरण अभियान के तहत आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और राज्य की निरंकुश ममता सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए 'आर नोय अन्याय' (और अत्याचार नहीं) नामक अभियान की शुरुआत करते हुए इस अभियान से जुड़ने के लिए एक टोलफ्री नंबर 9727294294 भी जारी किया. इससे पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री ने राजारहाट में 245 करोड़ रुपये की अलग-अलग योजनाओं का लोकार्पण

किया और राजारहाट में ही राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के एक नए परिसर स्पेशल कंपोजिट ग्रुप काम्प्लेक्स का उद्घाटन भी किया.

केंद्रीय गृह मंत्री ने उपस्थित जनसमूह में जोश भरते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने लाखों-करोड़ों शरणार्थियों को नागरिकता का तोहफा दिया है अतः ऐसी बुलंद आवाज में 'भारत माता की जय' का जयकारा लगाए ताकि CAA विरोधियों के कानों तक भी यह आवाज जा सके. उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद आज पहली बार पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक रूप से जनसभा को संबोधित करने आया हूँ. सबसे पहले माँ काली और यहाँ की महान मिट्टी को नमन करता हूँ जिस मिट्टी ने रामकृष्ण परमहंस, विवेकानंद, नेताजी सुभास चन्द्र बोस, गुरुवर रविंद्रनाथ टैगोर, राजराम मोहन रॉय, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर, बंकिम चन्द्र चटर्जी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिन्होंने देश को धार्मिक-सामाजिक-राजनीतिक नेतृत्व दिया. केन्द्रीय गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल की महान जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि **प्रदेश की जनता ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 42 में 18 सीटों पर विजयी बनाकर मोदी जी के नेतृत्व पर विश्वास दर्शाते हुए 300 सीटों का आंकड़ा पार कराने में मदद पहुंचाई. पश्चिम बंगाल के महान जनता के सहयोग से ही नरेन्द्र मोदी दूसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ देश के प्रधानमंत्री बने.**

केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रदेश की ममता सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि **लोकसभा चुनाव के समय जब हम बंगाल में चुनाव मैदान में थे तो ममता दीदी कहा करती थीं कि जमानत बचा लेना। ममता जी, 2019 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े देख लीजिए, अब आने वाले विधानसभा चुनाव में भी पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बंगाल में बनने जा रही है। 2014 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा को सिर्फ 87 लाख मत मिले थे लेकिन 2019 में 2 करोड़ 30 लाख मत मिले. मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि राज्य के 18 सांसद संसद में इसका प्रतिनिधित्व करके बंगाल को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। यह जो यात्रा चली है, रुकने वाली नहीं है। यह यात्रा जो 18 सीटों तक पहुंची है, विधानसभा में दो तिहाई बहुमत के साथ बीजेपी की सरकार बनाकर समाप्त होने वाली है। यह विजय यात्रा भाजपा के विकास की नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल के विकास और यहाँ के गरीबों-शोषितों के खिलाफ संघर्ष की यात्रा है, ये यात्रा पश्चिम बंगाल के कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने की यात्रा है, यह यात्रा सिंडिकेट, टोलबाजी और घुसपैठ को समाप्त करने और हमारे करोड़ों शरणार्थी भाईओं-बहनों को नागरिकता देकर सम्मान देने की यात्रा है, यह यात्रा बंगाल में दो-तिहाई बहुमत के साथ समाप्त होने वाली है.**

माननीय गृह मंत्री ने कहा कि **पश्चिम बंगाल में प्रचार के दौरान हमें यात्रा की अनुमती नहीं दी गई, हैलीकॉप्टर उतरने नहीं दिया गया, निर्मित मंच उखाड़ फेंके गए, भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं पर लाठियां-गोलियां चलायी गईं, झूठे मुकदमे दायर किये गए, 40 से अधिक कार्यकर्ताओं को शहीद कर दिया गया। मैं मुख्यमंत्री ममता दी से पूछना चाहता हूं- क्या आप ऐसा करके हमें रोक पाई हैं? आप जो चाहे करें। हम आपके सामने खड़े हैं। बंगाल के लोग आपका असली चेहरा जानते हैं। आज की यह रैली ममता दीदी, उनकी पार्टी और उनकी पार्टी के सरंक्षित गुंडों के अन्याय के खिलाफ है.**

केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रदेश की निरंकुश ममता सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान करते हुए कहा कि **भाजपा आज से पश्चिम बंगाल में एक अभियान की शुरुआत कर रही है- 'आर नोय अन्याय' (और अत्याचार नहीं)। यह अभियान बंगाल में तानाशाही ताकतों को हराने की लड़ाई है। यह नारा पश्चिम बंगाल में सरकार पलटने का नारा है। मैं आज पश्चिम बंगाल के हर निवासी को बताना चाहता हूं कि अब हम किसी भी अन्याय को स्वीकार नहीं करेंगे, इस नारे को लेकर घर-घर जाना है और लोगों को जोड़ना है। जनता को दबाने, अत्याचार और भ्रष्टाचार करने और अपने राजकुमार को वारिस बनाने की विचारधारा अब पश्चिम बंगाल में नहीं चलने वाली है. कोई भी शहजादा अब पश्चिम बंगाल का अगला मुख्यमंत्री नहीं बनेगा बल्कि इस मिट्टी का समर्पित एवं कर्मठ सपूत अगला मुख्यमंत्री बनेगा.**

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि **नरेन्द्र मोदी सरकार ने विकास के साथ साथ देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े कई मसलों का निराकरण किया. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने धारा 370 को निरस्त कर जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया।** उन्होंने कहा कि धारा 370 और पश्चिम बंगाल की धरती का अटूट रिश्ता है, इसी धरा से हमारे प्रथम अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने नारा दिया था कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने धारा 370 को एक ही झटके में समाप्त कर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को अपनी विनम्र और सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। ममता दीदी ने संसद में धारा 370 हटाने का विरोध किया था, क्या इसके लिए ममता जी को माफ़ किया जा सकता है?**

केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि **70 सालों से कांग्रेस-सपा-बसपा-टीएमसी राम मंदिर निर्माण में रोड़े अटकाते रहे, लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा**

अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण की दिशा में अपनी कटिबद्धता दिखाते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र नाम से ट्रस्ट बनाने का ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए राम मंदिर निर्माण को आगे बढ़ने का काम किया है और अब कुछ ही महीनों एक भव्य राम मंदिर अयोध्या में बनने वाला है.

केंद्रीय गृह मंत्री ने सीएए का मुद्दा उठाया और ममता बनर्जी को निशाना बनाते हुए कहा कि **ममता बनर्जी जब विपक्ष में थीं तो उन्होंने शरणार्थियों के लिए नागरिकता का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीएए ले आए तो वह एकबार फिर से कांग्रेस और वामपंथियों के साथ विरोध में खड़ी हो गईं। ममता बनर्जी अल्पसंख्यकों में भय पैदा कर रही हैं कि वे अपनी नागरिकता खो देंगे। मैं अल्पसंख्यक समुदाय के सभी लोगों को आश्वासन देता हूं कि सीएए से देश के एक भी मुसलमान, एक भी अल्पसंख्यक का नागरिकता अधिकार नहीं जाने वाला है. सीएए नागरिकता लेने का नहीं, बल्कि नागरिकता देने का कानून है। जिस सीएए कानून से लाखों-करोड़ों प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता मिलने वाली है उस सीएए को लेकर ममता दीदी ने बंगाल के अंदर दंगे करवा दिए, ट्रेनें जलवा दीं। मैं ममता बनर्जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या आपको दलित भाई अपने नहीं लगते, घुसपैठिये ही अपने लगते हैं। ममता जी को जो लगे लेकिन मैं यह बताना चाहता हूँ कि 70 साल से जो शरणार्थी भाई आए हैं भाजपा की केंद्र सरकार उनको नागरिकता देकर रहेगी, ममता दीदी हमें रोक नहीं सकतीं. ममता दीदी को स्मरण रखना चाहिए सीएए का विरोध करते हुए वे हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर और पंचानंद वर्मा जैसे लोगों के अभियानों और महात्मा गांधी, सरदार पटेल और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के वादों का विरोध कर रही हैं। ये कितना भी विरोध करें, हम इन शरणार्थियों को गले भी लगायेंगे, नागरिकता और सम्मान भी देंगे.**

केंद्रीय गृह मंत्री ने ममता सरकार के कुशासन का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि **ममता बनर्जी के शासनकाल में पश्चिम बंगाल इतना पिछड़ गया है विकास की तालिका में पश्चिम बंगाल 20वें स्थान पर पहुँच गया है. प्रदेश का हर पांचवा व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे है, प्रदेश में 70 फीसदी किसान कर्ज में डूबे हैं. केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत 6000 रुपये देना चाहती है लेकिन ममता जी उस राशि को किसानों तक पहुंचेने नहीं देतीं। ममता जी, यदि आपको वैर है तो भाजपा से करो, आप गरीब किसानों को क्यों परेशान कर रही हैं? पश्चिम बंगाल की पिछली वामपंथी सरकार ने 1 करोड़ 92 लाख करोड़ रूपये का ऋण छोड़कर गए थे जो वर्तमान में ममता बनर्जी के शासनकाल में यह ऋण**

बढ़कर 3 लाख 75 हजार करोड़ रूपये का हो चूका है. पश्चिम बंगाल में जन्म लेते ही 40 हजार रूपये का ऋण बच्चे के सर पर आता है. प्रदेश की एफडीआई 2 फीसदी से भी नीचे है. बिजली खपत देश के औसत से 30 फीसदी नीचे है. आजादी के वक्त देश के कुल औद्योगिक उत्पादन का 27% अकेले पश्चिम बंगाल करता था जो आज गिर कर 3.3% पर आ गई है। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर निशाना साधते हुए कहा कि बम धमाके, टोलबाजी, भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी, आए दिन ट्रेनें जलाना पश्चिम बंगाल को तबाह कर रखा है. **प्रदेश में दुर्गा पूजा आयोजन के लिए अदालत का सहारा लेना पड़ता है, विजयादशमी हम बना नहीं सकते, स्कूलों में सरस्वती पूजा बंद करा दी गयी है और भ्रष्टाचार भतीजे से लेकर सरपंच तक फैली हुई है. इस कुशासन से निजात भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही दिला सकती है. क्या सोनार बांग्ला की कल्पना यही थी? पश्चिम बंगाल की जनता ने कांग्रेस, कम्युनिस्ट और तृणमूल कांग्रेस को कई मौके दिए, एक मौक़ा आप भाजपा को दीजिये, हम पश्चिम बंगाल को सोनार बांग्ला बना कर देंगे।**

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि **नरेन्द्र मोदी सरकार ने 14वें वित्त आयोग के तहत पिछले 5 सालों में पश्चिम बंगाल को 3 लाख 59 हजार करोड़ रूपये दिए हैं जबकि यूपीए की सोनिया-मनमोहन सिंह सरकार ने 13वें वित्त आयोग के तहत मात्र 1 लाख 32 हजार करोड़ रूपये दिए. इसके अतिरिक्त, ग्राम ज्योति योजना के तहत 4 हजार करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 16 हजार करोड़, शहरी आवास योजना के तहत 17 सौ करोड़, राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए 10 हजार करोड़, कोलकाता मेट्रो परियोजना के लिए 12 हजार 5 सौ करोड़ रूपये केंद्र सरकार द्वारा दिए गए, लेकिन ये सारी राशियां ममता दीदी की पार्टी के कार्यकर्ताओं के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है.** आपने एक लम्बा समय कांग्रेस, कम्युनिस्टों और ममता दीदी को दिया है. आजादी के बाद पश्चिम बंगाल का विकास थमा पड़ा है, अतः एक मौका भारतीय जनता पार्टी को दें, हम सोनार बंगाल के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं.

केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रदेश की जनता को **'आर नोय अन्याय' (और अत्याचार नहीं) अभियान से जुड़ने के लिए एक टोलफ्री नंबर 9727294294 जारी करते हुए उपस्थित जनसमूह से अपील की कि इस टोलफ्री नंबर पर मिस्ड कॉल दें जिससे पश्चिम बंगाल में चेतना की जो लहर उठेगी वह प्रदेश की ममता सरकार को उखाड़ फेंकेगी और यहाँ भी एक सुन्दर कमल खिलेगा जिसपर बैठकर माँ लक्ष्मी पश्चिम बंगाल को सोनार बंगाल बनायेंगी.**

(महेंद्र पांडेय)
कार्यालय सचिव